एम पी एस

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(राजनीति विज्ञान)

सत्रीय कार्य
(एम ए द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम)
जुलाई 2021 और जनवरी 2022 सत्रों के लिए

समाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढी, नई दिल्ली – 110068

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : एम. ए. द्वितीय वर्ष (राजनीति विज्ञान)

प्रिय विद्यार्थियों,

आपको राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य में वर्णनात्मक एवं संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न विद्यमान हैं। वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न (DCQ) निबंधात्मक प्रकार के उत्तरों के लेखन हेतु बने हैं, जिनमें परिचय तथा निष्कर्ष समाहित होने चाहिए। ये प्रश्न किसी शीर्षक के बारे में आपकी व्यवस्थित समझ, महत्त्वपूर्ण एवं प्रासंगिक तथा सरल तरीके से अपने ज्ञान की व्याख्या क्षमता के परीक्षण के उद्देश्य से बनाए गए हैं। संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न (SCQ) पहले आपसे तर्कों एवं व्याख्याओं के संदर्भ में किसी शीर्षक के विश्लेषण तथा फिर संक्षिप्तता में उत्तर लिखने की अपेक्षा रखते हैं। ये प्रश्न अवधारणाओं, प्रक्रियाओं संबंधी आपकी समझ तथा उनके आलोचनात्मक विश्लेषण की आपकी क्षमता के परीक्षण के लिए बनाए गए हैं।

अपना सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। यह महत्त्वपूर्ण एवं आवश्यक है कि सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर आप अपने शब्दों में हीं दें। आपके उत्तर के शब्दों की सीमा किसी भी श्रेणी के लिए दी गई शब्द सीमा के अनुरूप होनी चाहिए। ध्यान रहे, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लेखनकार्य आपकी लेखन शैली को अधिक बेहतर बनाएगा तथा आपको वार्षिक परीक्षा हेतु तैयार करेगा।

इस लघु पुस्तिका के अंतर्गत एम. ए. राजनीति विज्ञान के द्वितीय वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं। आपको केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को करना है जिनमें आपका नामांकन हुआ है तथा बाकी को छोड़ दीजिए।

जमा करना:

आपको वार्षिक परीक्षा में शामिल होने के लिए सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करना होगा। पूरे किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार जमा करें :

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई, 2021 सत्र के लिए	31 मार्च, 2022	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी, 2022 सत्र के लिए	30 सितम्बर, 2022	

अध्ययन केन्द्र पर जमा किए गए सत्रीय कार्य की प्राप्ति रसीद लेना न भूलें तथा उसे अपने पास सुरक्षित रखें। यदि संभव हो तो पूर्णतः तैयार सत्रीय कार्यों की एक फोटोकॉपी प्रति अपने पास रख लें। सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद अध्ययन केन्द्र द्वारा उसे आपको वापस कर दिया जाएगा। कृपया इसके लिए आप अपनी ओर से भी उन पर जोर डालें। अध्ययन केन्द्र प्रत्येक सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद दिए गए अंकों को नोट करने के बाद उसका रिकार्ड आगे इग्नू, नई दिल्ली के विद्यार्थी मूल्यांकन विभाग [Student Evaluation Division (SED)] के पास भेज देंगें।

सत्रीय कार्य करने के लिए कुछ दिशा–निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार देंगे। निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखना आपके लिए लाभप्रद होगा।

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और इकाइयों को ध्यानपूर्वक पढ़ें जिनपर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए कुछ बिन्दु बनाए और उनको तर्क के आधार पर पुनः व्यवस्थित करें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा तैयार करें जिससे आप कुछ बिन्दुओं को चुन सकते हैं और उनको विश्लेषित कर सकते हैं। प्रश्न की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर उचित ध्यान दें:

   यह निश्चित करें कि:

   क) उत्तर तर्क–आधारित और सुसंगत है।

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध है।

   ग) आपकी अपनी अभिव्यक्ति और शैली के अनुसार प्रस्तुत सही है।

3) **प्रस्तुतिः** एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हैं तो जमा कराने के लिए उसका अंतिम रूपांतरण लिख सकते हैं। **यह आवश्यक है कि सभी** सत्रीय कार्य आपकी अपनी लिखाई में सफाई से लिखे हों। यदि आप चाहते हैं तो मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित कर सकते हैं। यह निश्चित करें कि उत्तर निश्चित शब्द सीमा के अंतर्गत है।

शुभकामनाओं के साथ,

भारत एवं विश्व (एमपीएसई–001)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–001/2021-22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. वैश्विक दृष्टि से भारत के विकास की व्याख्या कीजिए। क्या यह समय के साथ परिवर्तनशील है? परिवर्तन को उदाहरणों सहित समझाइये।
2. भारतीय विदेशनीति के उद्देश्य क्या हैं? विभिन्न दृष्टिकोणों की व्याख्या कीजिए।
3. भारत की विदेशनीति को निर्धारित करने वाली मुख्य संस्थाएँ कौन सी हैं? वे एकसाथ किस प्रकार कार्य करती हैं?
4. शीतयुद्ध काल के पश्चात् भारत –अमेरिका संबंधों की व्याख्या कीजिए।
5. भारत की पड़ोसी देशों के साथ कार्यव्यवहार की मुख्य नीतियों की व्याख्या कीजिए। क्या यह सफल रहीं है?

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) भारत –अफ्रीका संबंध
   ख) अफगानिस्तान का भूराजनीतिक प्रासंगिकता

7. क) सार्क (SAARC) और इसकी भूमिका
   ख) भारत और आसियान (ASEAN)

8. क) शीतयुद्ध कालीन राजनीति
   ख) शीतयुद्ध काल के पश्चात् की राजनीति

9. क) भारत –चीन सीमा विवाद
   ख) भारत –नेपाल सबंध

10. क) निःशस्त्रीकरण और शस्त्र नियंत्रण
    ख) भारत का जीसीसी राज्यों के साथ संबंध

लैटिन अमेरिका में राज्य एवं समाज (एमपीएसई–002)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–002/2021-22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. लैटिन अमरीका की सामाजिक और आर्थिक विरासत का परीक्षण कीजिए।
2. अर्जेन्टाइना के पम्पास दास व्यापार पर एक लेख लिखिए।
3. मैक्सिको में भूमि और भारतीय समुदायों पर एक निबंध लिखिए।
4. आयात प्रतिस्थापन औद्योगीकरण रणनीति का अर्थ और व्यापकता की चर्चा कीजिए।
5. लैटिन अमरीका के संदर्भ में निर्भरता सिद्धान्त /वैश्विक प्रणाली सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) राज्य का पतन और इसकी क्षमताओं को पुर्नव्यस्थित करना
   ख) अर्जेन्टाइना के पैरो (Peron)

7. क) लैटिन अमेरिका में कृषि सुधार
   ख) लैटिन अमेरिकी समाज में चर्च की भूमिका

8. क) मैक्सिको की क्रांति
   ख) लोकतांत्रिक शर्तों को चुनौती देना

9. क) लोकतांत्रिक परिवर्तन के प्रारूप
   ख) लैटिन अमेरिका में नागरिक समाज

10. क) राजनीति में सेना
    ख) लैटिन अमेरीकी मुक्त व्यापार संघ (LAFTA)

पश्चिमी राजनीतिक चिंतन (प्लेटो से मार्क्स तक) (एमपीएसई–003)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–003/2021-22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. राजनीतिक चिंतन और राजनीति विज्ञान के मध्य अंतर बताइये।
2. प्लेटो की कार्यविधि की चर्चा कीजिए।
3. अरस्तु के न्याय सिद्धान्त पर एक लेख लिखिए।
4. राज्य, संपत्ति, युद्ध और दासता पर संत ऑगस्टीन के विचार क्या है? जाँच कीजिए।
5. मैक्यावली के अभ्युदय के सिद्धान्त को विस्तारपूर्वक बताइये।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) प्राकृतिक अवस्था और प्राकृतिक अधिकारों पर थॉमस हॉब्स
   ख) सहमति, प्रतिरोध और सहनशीलता पर जॉन लॉक

7. क) रूसो की नागरिक समाज की समालोचना
   ख) एडमण्ड बर्क की प्राकृतिक अधिकारों और सामाजिक समझौते की समालोचना

8. क) मानव प्रकृति का इमैनुअल काँट का पराभौतिक–आदर्शवादी दृष्टिकोण
   ख) बैंथम की ''द पैनोप्टिकन'' ("The Panopticon")

9. क) महिलाओं के लिए समान अधिकारों पर जे. एस. मिल
   ख) हेगेल का ऐतिहासिक दर्शन

10. क) मार्क्स का अलगाव का सिद्धान्त
    ख) एक साम्यवादी समाज की मार्क्स की परिकल्पना

आधुनिक भारत में सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन (एमपीएसई–004)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–004/2021-22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. मध्यकालीन भारत में राज्य और संप्रभुता की प्रकृति की चर्चा करें।
2. राष्ट्रवाद और औपनिवेशिक आधुनिकीकरण पर एक निबंध लिखें।
3. 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ में भारत में सुधारवादी चिंतन के प्रकारों का परीक्षण करें।
4. राष्ट्रवाद पर बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के विचारों को विस्तार से बतायें।
5. राष्ट्रवादी आंदोलन मे गरमदलीय विचारधारा के महत्व का वर्णन करें।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) सामाजिक परिवर्तन पर स्वामी विवेकानन्द
   ख) सविनय अवज्ञा (Passive resistance) पर श्री अरोबिंदो

7. क) हिंदू राष्ट्र और भारतीय राज्य पर वी. डी. सावरकर
   ख) सामाजिक संगठनीकरण पर एम एस गोलवरकर

8. क) राष्ट्रवाद पर मौलाना मदूदी के विचार
   ख) आदिवासी पहचान के प्रणेता के रूप में जयपाल सिंह

9. क) धर्म और राजनीति के मध्य संबंधों पर गांधी के विचार
   ख) जवाहरलाल नेहरू का प्रकृति का सिद्धान्त

10. क) कारण और अधिकारों पर डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
    ख) रवींद्रनाथ टैगोर के गाँधी से मतभेद

अफ्रीका में राज्य एवं समाज (एमपीएसई–005)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–005/2021-22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. प्राचीन अफ्रीकी साम्राज्यों पर एक निबंध लिखिए।
2. अफ्रीका में औपनिवेशीकरण के स्वरूपों की जांच कीजिए।
3. अफ्रीका में राष्ट्रवाद की समस्याओं की चर्चा कीजिए।
4. अफ्रीका में शासन और विकास के मुद्दे का परीक्षण कीजिए।
5. अफ्रीका में सैन्य शासनों पर एक लेख लिखिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) राजनीति में सेना
   ख) अफ्रीका का विदेशी व्यापार

7. क) अफ्रीकी सींग (Horn of Africa) में शीत युद्ध
   ख) अफ्रीका में संघर्ष के कारण

8. क) अफ्रीकी एकता का संगठन (OAU)
   ख) अफ्रीका में खाद्य संकट

9. क) उप सहारा–अफ्रीका में मानव सुरक्षा
   ख) अफ्रीका में नृजातीयता और राष्ट्रवाद

10. क) अफ्रीका में हिंसा के कारण
    ख) नेपेड (NEPAD)

शांति और संघर्ष अध्ययन (एमपीएसई–006)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–006/2021-22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. आधुनिक काल में राज्य के साथ अपने संबंधों में विकास से नागरिक समाज में बड़े परिवर्तन हुए हैं। स्पष्ट कीजिए।
2. परमाणु युद्ध लड़ने या उसे रोकने के लिए शीत युद्ध के प्रतिद्वंद्वियों द्वारा अपनाई गई रणनीतियों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
3. अंतर–राज्यीय विवादों को हल करने के विभिन्न तरीकों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
4. नारीवादी दृष्टिकोण ने सुरक्षा की अवधारणा को व्यापक बनाया है। व्याख्या कीजिए।
5. युद्ध क्या है? युद्ध की यथार्थवादी और उदारवादी अवधारणा के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए।

भाग – 2

6. आतंकवाद के विभिन्न स्वरूपों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। आतंकवाद की समस्या से निपटने के लिए क्या तरीके हैं?
7. प्रक्रर्यात्मकतावाद और नव–प्रकार्यवाद के बीच अंतरों को उजागर कीजिए।
8. मानव सुरक्षा के लिए नवयथार्थवादी और उत्तर आधुनिकतावादी दृष्टिकोणों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
9. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :**
   क) शांति स्थापना क्या है? सोमालिया के जातीय संघर्ष में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियान की भूमिका का वर्णन कीजिए।
   ख) सीबीएम (CBM) क्या हैं? एशिया में शांति बहाली उपाय (CBMs) यूरोप से किस प्रकार भिन्न हैं?
10. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :**
    क) क्रांतिकारी युद्ध से आप क्या समझते हैं? यह गृहयुद्धों से किस प्रकार भिन्न है?
    ख) राष्ट्रों के मध्य विवाद सुलझाने के लिए विश्व व्यापार संगठन द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

भारत में सामाजिक आंदोलन एवं राजनीति (एमपीएसई–007)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–007/2021-22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. नये सामाजिक आंदोलनों की विशेषताओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
2. भारत में क्षेत्रीय आंदोलनों में राज्य की मांग के लिए आंदोलनों और उस पर राज्य की प्रतिक्रिया की चर्चा कीजिए।
3. राज्य, बाज़ार और सामाजिक आंदोलनों के मध्य संबंधों का मूल्यांकन कीजिए।
4. दलितों की राजनीतिक लामबंदी और बहुजन समाज पार्टी की भूमिका का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
5. संसाधन संग्रहण सिद्धान्त और सापेक्ष ह्रास सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) असम के बोडो
   ख) वामपंथी और महिला आंदोलन

7. क) केरल में मछुआरा जन आंदोलन
   ख) नर्मदा बचाओ आंदोलन

8. क) अखिल भारतीय मज़दूर सभा (AITUC)
   ख) भारतीय किसान यूनियन (BKUs)

9. क) आरक्षण की राजनीति
   ख) नृ–जातीय आंदोलनों

10. क) मानव विकास सूचकांक
    ख) उत्तर –दक्षिण तुलना

भारत में राज्यीय राजनीति (एमपीएसई–008)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–008/2021-22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. राज्यीय राजनीति का अध्ययन करने के लिए मार्क्सवादी ढ़ाँचे की बुनियादी विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।
2. कांग्रेस प्रणाली के पतन का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
3. भारत में मतदान व्यवहार को निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण कारकों पर चर्चा कीजिए।
4. भारत में संघ–राज्य संबंधों को प्रभावित करने वाले संवैधानिक संशोधनों का परीक्षण कीजिए।
5. भारत में विकास में क्षेत्रीय विषमताओं का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा (CMM)
   ख) दलित पैथर

7. क) हरित क्रांति
   ख) कुलक (Kulaks)

8. क) जल बटवारे की राजनीति
   ख) राज्यों की वित्तीय स्थिति

9. क) चुनाव सुधार
   ख) नक्सली आंदोलन

10. क) स्वतंत्रता के रूप में विकास
    ख) ज़मींदारी उन्मूलन

कनाडा : राजनीति एवं समाज (एमपीएसई–009)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–009/2021-22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. कनाडा में मूलनिवासी कौन हैं? कनाडा में यूरोपीय बसावट की व्याख्या कीजिए।
2. कनाडा के संविधान की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।
3. कनाडा की राजनीति में क्षेत्रवाद के कारकों की व्याख्या कीजिए? कनाडा के संघवाद को यह कैसे आकार प्रदान करता है?
4. कनाडा में नीति प्रक्रिया के विभिन्न चरणों और नागरिक समाज की भूमिका की चर्चा कीजिए।
5. कनाडा में बहुसंस्कृतिवाद की नीति की गणना कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) भारत–कनाडा संबंध
   ख) क्यूबेक अलगाववाद

7. क) कनाडा की संसद
   ख) न्यायिक प्रणाली

8. क) स्थानीय स्वशासन
   ख) बहुदलीय प्रणाली

9. क) कनाडा में दलीय प्रणाली
   ख) हित समूह

10. क) 1982 का संवैधानिक अधिनियम
    ख) 1995 का जनमतसंग्रह

विश्व के मामलों में यूरोपियन यूनियन (एमपीएसई–011)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–011/2021-22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. यूरोप के एकीकरण के विचार की चर्चा कीजिए। क्या यह अपने लक्ष्य में सफल हुआ है?
2. यूरोपीय संघ के भविष्य की संभावनाओं पर समालोचनात्मक चर्चा कीजिए। इसकी प्रमुख चुनौतियां क्या हैं?
3. यूरोपीय संघ के एकीकरण के संदर्भ में अंतर–सरकारीवाद के सिद्धांत की चर्चा कीजिए।
4. एकल यूरोपीय बाज़ार की प्रमुख विशेषतायें और इसके प्रभाव की चर्चा कीजिए।
5. वे कौन से कारक हैं जिन्होंने सार्वजनिक यूरोपीय समाज और रक्षा नीति के विकास को सुगम बनाया?

भाग – 2

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी लिखें :

6. क) वैश्विक सरकार
   ख) यूरोपीय संघ (EU) और विश्व व्यापार संगठन (WTO)

7. क) यूरोपीय संघ (EU) और आसियान (ASEAN)
   ख) यूरोपीय संघ (EU) और सार्क (SAARC)

8. क) राज्यों का संघ
   ख) संघवाद

9. क) सामूहिक कृषि नीति (CAP) के बुनियादी सिद्धान्त
   ख) यूरोपीय संध की पूर्वोत्तर नीति

10. क) यूरोपीय संघ (EU) और संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)
    ख) यूरो की अंर्तराष्ट्रीय भूमिका

ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज (एमपीएसई–012)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–012/2021-22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. ऑस्ट्रेलिया को शुष्क महाद्वीप क्यों कहा जाता है? ऑस्ट्रेलिया महाद्वीन की मुख्य आकारीय विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।
2. ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों पर औपनिवेशिक नीति कैसे प्रभाव डालती है?
3. ऑस्ट्रेलिया की बहुसांस्कृतिक नीति का वर्णन कीजिए। ऑस्ट्रेलिया में अप्रवासियों पर इसका क्या प्रभाव पड़ा?
4. ऑस्ट्रेलिया में आप्रवासन, पहचान का निर्माण और नागरिकता अधिकारों का वर्णन कीजिए।
5. ऑस्ट्रेलिया के संविधान के संघीय ढ़ाँचे का वर्णन कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) मंत्रीस्तरीय परिषद
   ख) शक्तियों का विभाजन
7. क) ऑस्ट्रेलिया में दल प्रणाली
   ख) दबाव समूहों की भूमिका
8. क) ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रवाद का उदय
   ख) ऑस्ट्रेलिया की अर्थव्यवस्था का पुर्नगठन
9. क) ऑस्ट्रेलिया मे भारतीय प्रवासी
   ख) ऑस्ट्रेलिया की विकास रणनीति
10. क) ऑस्ट्रेलिया–चीन व्यापार संबंध
    ख) श्वेत ऑस्ट्रेलिया नीति

ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति (एमपीएसई–013)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–013/2021-22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. 1990 के दशक के पश्चात् भारत –ऑस्ट्रेलिया संबंधों की व्याख्या कीजिए।
2. हाल के वर्षों में एशिया –प्रशांत क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया की स्थिति का वर्णन कीजिए।
3. ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति में बदलते स्वरूपों का परीक्षण कीजिए।
4. ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति के प्रमुख निर्धारक क्या हैं?
5. द्विपक्षीय और क्षेत्रीय व्यापार समझौतों में ऑस्ट्रेलिया की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ऑस्ट्रेलिया का अर्न्तराष्ट्रीय सहायता कार्यक्रम
   ख) ऑस्ट्रेलिया –संयुक्त राज्य अमेरिका संबंध

7. क) ऑस्ट्रेलिया और ऐपेक (APEC)
   ख) ऑस्ट्रेलिया गणराज्य में शक्तियों का विभाजन

8. क) ऑस्ट्रेलिया–चीन व्यापार संबंध
   ख) परमाणुविक हथियारों की भूमिका में ऑस्ट्रेलिया का स्थान

9. क) ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय पहचान
   ख) ऑस्ट्रेलिया –इण्डोनेशिया संबंध

10. क) आतंकवाद पर ऑस्ट्रेलिया की नीति
    ख) एक क्षेत्रीय सुरक्षा मंच के तौर पर एआरफ (ARF) पर ऑस्ट्रेलिया का दृष्टिकोण

सतत् विकास : मुद्दे एवं चुनौतियां (एमईडी–002)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमईडी–002/2021-2022
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. सतत् विकास की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। अंतर्पीढ़ीय निष्पक्षता (equity) और न्याय के लिए इसके सिद्धान्तों की चर्चा कीजिए।
2. भारत में पर्यावरणीय कानूनों और इनके क्रियान्वयन का परीक्षण कीजिए।
3. सतत् विकास का आंकलन करने के लिए विचारयोग्य विभिन्न मापदडों का परीक्षण कीजिए।
4. सतत् विकास के समुदाय उन्मुख दृष्टिकोण की प्रमुख विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।
5. सतत् विकास के लिए किस प्रकार पारंपरिक और स्वदेशी तकनीकी का उपयोग हो रहा है?

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) न्यायिक व्याख्याएँ
   ख) पृथ्वी सम्मेलन

7. क) सतत् विकास हेतु वैश्विक मुद्दे और उनके निहितार्थ
   ख) भूमंडलीय तापन एवं समुद्र तल में वृद्धि

8. क) सतत् विकास के लिए नागरिक सुरक्षा पहल
   ख) गरीबी और सतत् विकास

9. क) सतत् विकास के संरक्षण में सार्क की पहल
   ख) सतत् विकास के लिए राज्य की पहल

10. क) पर्यावरण और सतत् विकास के लिए मानव संसाधन
    ख) ग्रामीण समुदाय के सतत् विकास में सूचना प्रसारण प्रौद्यौगिकी

भूमण्डलीकरण और पर्यावरण (एमईडी–008)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमईडी–008/2021-2022
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. वैश्वीकरण की बदलती प्रकृति और पर्यावरण पर इसके प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।
2. आर्थिक वैश्वीकरण के दौर में बहुराष्ट्रीय निगमों (MNCs) और अर्न्तराष्ट्रीय निगमों (TNCs) की भूमिका की व्याख्या कीजिए।
3. गैर–सरकारी संगठनों (NGOs) की उत्पत्ति तथा पर्यावरण सुरक्षा में वैश्विक राजनीति पर इनके प्रभाव की व्याख्या कीजिए।
4. रियो सम्मेलन के दौरान अंगीकृत अंतर्राष्ट्रीय अनुबंधों की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
5. दक्षिण एशियाई राज्यों के लिए पर्यावरणीय कानूनों और मानकों के निहितार्थों की व्याख्या कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) भारत में सीड सुसाइड
   ख) विषैले अपशिष्ट

7. क) पर्यावरण और विकास पर वैश्विक आयोग (WCED)
   ख) बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार सबंधी पहलू (TRIPS)

8. क) ब्रेटेन वुड्स संस्थाएँ
   ख) समाज पर पर्यावरणीय आपदाओं का प्रभाव

9. क) श्रीलंका में खनन परियोजना
   ख) खाद्य सुरक्षा और सततता के सूचक

10. क) स्वाध्याय आंदोलन
    ख) स्वच्छ भारत अभियान

गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी/एम.जी.पी.–004/2021–22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. गांधी ने सत्य के सर्वोच्च मूल्यों में शक्ति और अधिकार की आवश्यकता पर जोर क्यों दिया?
2. राज्य और व्यक्ति पर गांधी और थोरो (Thoreau) की विचार के बीच समानता बतायें ।
3. गांधी राजनीतिक जीवन और राजनीतिक संस्थाओं को आध्यात्मिक बनाने की आवश्यकता पर जोर क्यों देते हैं?
4. समाजवाद की योजना में सामाजिक परिवर्तन और सत्ता के पुनर्वितरण की अवधारणाओं का परीक्षण करें।
5. क्या आपको लगता है कि विश्व शांति के लिए एक निष्पक्ष विश्व पुलिस प्रभावी हो सकती है? स्पष्ट करें।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) सर्वव्यापक मूल्य के रूप में समानता
   ख) औद्योगीकरण की गांधीवादी आलोचना

7. क) फासीवाद
   ख) गांधीवादी शांतिवाद में सत्याग्रह की भूमिका

8. क) साम्राज्यवाद पर गांधी के विचार
   ख) सर्वहारा वर्ग की तानाशाही

9. क) संरचनात्मक हिंसा
   ख) संविधानवाद पर गांधी का विचार

10. क) अराजकतावादी समाज
    ख) साध्य और साधन की शुद्धता

गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी/एम.जी.पी.ई.–007/2021–22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. गांधी के बाद अहिंसक आंदोलनों के परिणामों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
2. आज मानव जाति को प्रभावित करने वाले विभिन्न पारिस्थितिक मुद्दे क्या हैं? भारत में पारिस्थितिकी के संरक्षण के लिए चल रहे आंदोलनों के उदाहरण के साथ वर्णन कीजिये।
3. सैद्धांतिक और सामरिक अहिंसक आंदोलनों के बीच अंतर स्पष्ट करें।
4. समकालीन भारत में शराब नीति और सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों की प्रमुख चिंताओं को रेखांकित करें।
5. भूदान आंदोलन अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में विफल रहा। क्या आप सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) किसान आंदोलन की विचारधारा
   ख) महिला और नागरिक अधिकार आंदोलन

7. क) ग्रीन गांधी
   ख) पारिस्थितिकी–नारीवादी आंदोलन

8. क) 21वीं शताब्दी में ग्रीन पीस आंदोलन (Green Peace Movement)
   ख) साइलेंट वैली आंदोलन

9. क) पोलैंड में एकजुटता आंदोलन
   ख) मरुस्थलीकरण

10. क) भारत में राष्ट्रीय जल नीति
    ख) सम्पूर्ण क्रांति

शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम.जी.पी.ई.–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी/एम.जी.पी.ई.–008/2021–22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. सत्याग्रह संघर्ष समाधान का एक व्यवहार्य, स्वायत्तता–उत्पादक तरीका है। (वेबर) इस कथन से आप क्या सहमत हैं? अपने विचार के पक्ष में तर्क दें।
2. प्रत्यक्ष और संरचनात्मक हिंसा के बीच अंतर स्पष्ट करें।
3. संघर्ष समाधान के लिए कुछ पश्चिमी दृष्टिकोणों पर संक्षेप में चर्चा करें।
4. संघर्ष को पारिभाषित करें। हिंसा, संघर्ष और संघर्ष समाधान पर गांधी के दृष्टिकोण पर चर्चा करें।
5. नोआखाली के संदर्भ में गांधी के निर्भयता और साहस के विचारों का समालोचनात्मक विश्लेषण करें।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) सामंजस्य की अवधारणा
   ख) श्रीलंकाई नृजातीय संघर्ष में भारत की भागीदारी

7. क) शांति के लिए नारीवादी दृष्टिकोण
   ख) पेट्रा केली और जर्मन ग्रीन्स

8. क) आत्म शुद्धि के लिए उपवास पर गांधी का आग्रह
   ख) संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा गांधीवादी सिद्धांतों की मान्यता

9. क) सत्याग्रह का सिद्धांत
   ख) संघर्ष परिवर्तन

10. क) संघर्ष के स्रोत के रूप में गलत संचार की भूमिका
    ख) म्यांमार में संघर्ष समाधान में गांधीवाद की प्रासंगिकता

संघर्ष प्रबन्धन, परिवर्तन और शांति निर्माण (एम.जी.पी.ई.–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी/एम.जी.पी.ई.–010/2021–22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. संघर्ष पर विभिन्न सैद्धांतिक तर्कों और शांति के अध्ययन पर उनके प्रभाव का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
2. एक उदाहरण के साथ संघर्ष के बाद के पुनर्निर्माण और पुनर्वास में कार्यकर्ताओं और साझेदारों की भूमिका की जांच करें।
3. जीन शार्प के संघर्ष परिवर्तन के सिद्धांत का परीक्षण कीजिए।
4. संघर्ष प्रबंधन क्या है? संघर्ष प्रबंधन के विभिन्न मॉडलों पर समकालीन बहस का परीक्षण करें।
5. शांति निर्माण क्या है? शांति निर्माण के लिए मुख्य चुनौतियाँ क्या हैं?

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) संघर्ष प्रबंधन में दोनों पक्षों के जीत की स्थिति
   ख) मध्य एशिया में आतंकवाद के मुख्य कारण

7. क) संघर्ष मूल्यांकन की परिसीमा
   ख) न्यास (Trusteeship) की अवधारणा

8. क) संघर्ष प्रबंधन के लिए दृष्टिकोण
   ख) आधुनिक सभ्यता का गांधीवादी विकल्प

9. क) गांधी के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आंदोलन
   ख) श्रीलंका में शांति निर्माण

10. (क) संघर्ष परिवर्तन के लिए अहिंसक दृष्टिकोण
    (ख) संघर्ष–पश्चात् वियतनाम के पुनर्निर्माण और पुनर्वास में प्रयासों गैर–सरकारी संस्थान की भूमिका

मानव सुरक्षा (एम.जी.पी.ई.–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी/एम.जी.पी.ई.–011/2021–22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. मानव सुरक्षा, मानव विकास और मानव अधिकारों के बीच अन्योन्याश्रय समबन्ध की चर्चा कीजिए।
2. खाद्य सुरक्षा, गरीबी और भूख के विभिन्न पहलुओं का परीक्षण कीजिए। क्या वे एक दूसरे को प्रभावित करते हैं, स्पष्ट कीजिये।
3. मानव सुरक्षा की अवधारणा की उत्पति, विकास और अर्थ का पता लगाएं और समाज के वंचित वर्गों के कल्याण के लिए इसके महत्व को उजागर करें।
4. ग्रामीण असंगठित श्रम की विभिन्न विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। उन्हें सशक्त बनाने के लिए कुछ उपाय सुझाइए।
5. गैल्टंग के संरचनात्मक हिंसा की अवधारणा का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) मानव विकास और मानव सुरक्षा की अवधारणा में डॉ. महबूब–उल–हक का योगदान
   ख) मानव सुरक्षा और शांति निर्माण

7. क) मानव सुरक्षा के बारे में गांधी का दृष्टिकोण
   ख) अफगानिस्तान में मानव सुरक्षा

8. क) स्वास्थ्य सुरक्षा
   ख) पर्यावरण सुरक्षा के खतरे

9. क) लिंग, विकास और मानव सुरक्षा के बीच संबंध
   ख) मध्य एशिया के देशों में हिंसा और संघर्ष

10. क) वैश्विक शांति के लिए गांधीवादी विचारों की व्यवहारिकता
    ख) मानवीय संकट (Humanitarian Crisis)

नागरिक समाज, राजनीति शासन और संघर्ष (एम.जी.पी.ई.–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड :ए एस एस टी/एम.जी.पी.ई.–013/2021–22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. विभिन्न प्रकार के राजनीतिक शासन क्या हैं? उनकी विस्तार से वर्णन करें।
2. पूर्व, आधुनिक और उत्तर–आधुनिक ऐतिहासिक संदर्भ में नागरिक समाज की अवधारणा कैसे विकसित हुई?
3. बांग्लादेश में ग्रामीण बैंक गरीबी और भूख मिटाने की दिशा में कैसे काम करता है?
4. शांति आंदोलनों से आप क्या समझते हैं? शांति आंदोलनों के प्रकारों का विश्लेषण करें।
5. महिला सशक्तिकरण और क्षमता निर्माण कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) दलितों के सशक्तिकरण पर गांधी के विचार
   ख) शांति की संस्कृति

7. क) वैश्विक शांति आंदोलन
   ख) सेंटर फॉर ह्यूमैनिटेरियन डायलॉग

8. क) डिजिटल विभाजन
   ख) गांधी का रचनात्मक कार्यक्रम

9. क) ग्रीनपीस
   ख) आतंकवाद पर युद्ध

10. क) टोक्विविल की नागरिक समाज की अवधारणा
    ख) इंग्लैंड का बिल ऑफ राइट (1689)